

BA (Hons) Hindi
Semester V : GE
रंगमंच और लोक-साहित्य

Course Code & Title	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE रंगमंच और लोक-साहित्य	4	3	1	0	Class 12 th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- लोकनाट्य रूपों की समग्र भारतीय परंपरा से परिचित कराना।
- भारतीय सांस्कृतिक-बोध के निर्माण में लोकनाट्य रूपों के योगदान के महत्व की समझ विकसित करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- लोकनाट्य की समग्र भारतीय परंपरा का परिचय प्राप्त हो सकेगा।
- विविध प्रादेशिक लोकनाट्य रूपों के स्वरूप की जानकारी प्राप्त हो सकेगी।
- आधुनिक हिंदी रंगमंच के संदर्भ में विविध लोकनाट्य रूपों के प्रयोगधर्मी स्वरूप की समझ बन सकेगी।

इकाई 1 : लोकनाट्य : स्वरूप एवं अवधारणा

(9 घंटे)

- परंपरागत एवं आधुनिक लोकनाट्य का इतिहास (भरतमुनि प्रणीत नाट्यशास्त्र के पूर्व से लेकर, मध्यकालीन तथा आधुनिक मिश्रित प्रयोगधर्मी स्वरूप तक)

इकाई 2 : प्रमुख लोकनाट्य रूपों का संक्षिप्त परिचय

(12 घंटे)

- रामलीला, रासलीला, सांग, नौटंकी, ख्याल, माच, नाचा, बिदेसिया, करियाला, भवई, तमाशा, जात्रा, अंकिया नाट, कुडियाट्टम, भागवत मेल।

इकाई 3 : पाठपरक अध्ययन – 1

(12 घंटे)

- लखमीचंद : सांग – ‘नल दमयन्ती’
- भिखारी ठाकुर : ‘बिदेसिया’

इकाई 4 : पाठपरक अध्ययन – 2

(12 घंटे)

- गिरीश कर्नाड : यक्षगान – ‘हयवदन’
- सिद्धेश्वर सेन : माच – ‘राजा भरथरी’

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. सांकृत्यायन, पंडित राहुल; हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, 16वां भाग
2. सत्येन्द्र डॉ.; लोक साहित्य विज्ञान
3. मिश्र, विद्या; वाचिक कविता : भोजपुरी
4. परमार, श्याम; लोकधर्मी नाट्य परंपरा
5. सिन्हा, विद्या; भारतीय लोक साहित्य परंपरा और परिदृश्य
6. बंधु, हरिचंद्र; लक्ष्मीचंद का काव्य वैभव
7. हिंदी साहित्य को हरियाणा प्रदेश की देन, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला
8. शर्मा, पूर्णचंद; हरियाणा की लोकधर्मी लोकनाट्य परंपरा
9. अग्रवाल, रामनारायण; सांगीत एक लोकनाट्य परंपरा
10. मालिक, कुसुमलता; स्वातंत्र्योत्तर पारंपरिक रंग प्रयोग, इंडियन पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली।
11. शर्मा, यशपाल; दादा लखमी फिल्म
12. गौतम, रमेश (संपादक); हिंदी रंगमंच का लोक पक्ष
13. वात्स्यायन, कपिला; पारंपरिक भारतीय रंगमंच : अनंत धाराएं
14. Hansen, Kathryn; Ground for play: Nautanki Theatre of North Indian, University of California Press, 1992
15. Kulkarni, Dr. P. D.; Dramatic World of Girish Karnad, Creative Publications, Nanded, Maharashtra